RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 121
दि. 31.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

जापानी पीएम के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने की बुलेट ट्रेन की सवारी, ट्रेनिंग ले रहे भारतीय लोको पायलटों से भी मिले

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों जापान की दो दिवसीय यात्रा पर हैं, जहां वे 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। यह दौरा भारत और जापान के बीच गहरी होती रणनीतिक साझेदारी और सहयोग का अहम संकेत माना जा रहा है।

शनिवार को पीएम मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ बुलेट ट्रेन में सफर करते हुए टोक्यो से सेंडाई तक का सफर किया। जापानी प्रधानमंत्री ने इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा कीं। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने जेआर ईस्ट में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय रेल चालकों से भी मुलाकात की।

जापानी प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा कीं और लिखा - 'प्रधानमंत्री मोदी के साथ सेंडाई...'। इसके बाद दोनों नेताओं ने जेआर ईस्ट प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया, जहां भारतीय रेल चालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जापानी पीएम इशिबा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'जेआर ईस्ट में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय रेल चालकों से मेरा नमस्कार।'

भारत में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है, जिसे भारत-जापान साझेदारी की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। आने वाले कुछ सालों में यह सेवा शुरू हो जाएगी। भारत का लक्ष्य देश में लगभग 7,000 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड रेल नेटवर्क तैयार करना है, जिसका बड़ा हिस्सा 'मेक इन इंडिया' के तहत विकसित होगा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारत से लोको पायलटों को जापान भेजा गया है, जहां वे बुलेट ट्रेन चलाने की उन्नत तकनीक और संचालन की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

वहीं पीएम मोदी ने टोक्यो से रवाना होने से जापान के 16 प्रांतों के गवर्नरों से भी मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने भारत और जापान के राज्यों व प्रांतों के बीच गहरे सहयोग पर जोर दिया। जापान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू की गई राज्य-प्रांत साझेदारी पहल के तहत सहयोग को और मजबूत बनाने का आ'ान किया। मोदी ने कहा कि यह पहल दोनों देशों की साझा प्रगति और विकास के लिए अहम साबित होगी।

गुजरात ने सर्वग्राही पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए इकोसिस्टम तैयार किया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 30 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को 76वें वन महोत्सव का राज्यव्यापी प्रारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में गुजरात ने सर्वग्राही पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का इकोसिस्टम तैयार किया है।

इस संदर्भ में श्री पटेल ने कहा कि क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों का सामना करने के लिए गुजरात ने लाइफ स्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट झ मिशन लाइफ, हरित ऊर्जा के लिए रिन्यूएबल एनर्जी व सोलर रूफटॉप, जल संचय के लिए 'कैच द रेन' व अमृत सरोवरों का निर्माण तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अंतर्गत पेड़-पौधों की बुवाई से हरियाली क्रांति द्वारा पर्यावरण संतुलन से युक्त विकास किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 76वें वन महोत्सव अंतर्गत राज्य के 24वें

सांस्कृतिक वन के रूप में खेडा जिले के गळतेश्वर में 7 हेक्टेयर में निर्मित गळतेश्वर वन का लोकार्पण किया। उन्होंने गुजरात स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी की वेबसाइट की लॉन्चिंग, ग्राम वन निर्माण तथा पट्टी बुवाई (स्ट्रिप फार्मिंग) की उपज के चेक का ग्राम व तहसील पंचायतों को वितरण और वन विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को चेक का वितरण किया।

उन्होंने 'हम प्रकृति से प्रेम करेंगे, तो प्रकृति हमारा ध्यान रखेगी' का उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हम तो पौधे में परमात्मा तथा जीव में शिव देखने वाले लोग हैं। इतना ही नहीं; प्रधानमंत्री ने भी पर्यावरण संतुलन एवं संरक्षण को हमेशा प्रायोरिटी दी है। इस उद्देश्य से उन्होंने वन महोत्सव का परंपरागत प्रारूप बदल कर वन के साथ जन-जन को जोड़ा है और वन महोत्सवों को जन महोत्सव बनाया है।

श्री पटेल ने बताया कि ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, राज्य में मियावाकी पद्धति से 207 वन कवच निर्माण, लगभग 82 नमो वड वन आदि की सफलता के परिणामस्वरूप वन क्षेत्र से बाहर का ग्रीन कवर बढ़कर 1143 वर्ग किलोमीटर हुआ है।

उन्होंने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में गुजरात ने गत वर्ष 17.50 करोड़ पौधे लगाने के साथ देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है और इस वर्ष 'एक पेड़ माँ के नाम' 2.0 में समग्र राज्य में 10.35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि गुजरात देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। व्यापार-उद्योग के विकास के साथ मानव जीवन के विकास के लिए भावी पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण प्रदान कर समृद्ध एवं स्वस्थ रखने के लिए ग्रीन-क्लीन एन्वायर्नमेंट जरूरी है।

और वन महोत्सव इसके लिए सक्षम माध्यम हैं।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री मुळुभाई बेरा ने कहा कि सांस्कृतिक वनों का उद्देश्य लोगों को धार्मिक व औषधीय पेड़ों के विषय में जागृत करना, जलवायु परिवर्तन में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करना, वृक्ष आच्छादन बढ़ाना तथा लोगों तथा विद्यार्थियों एवं बच्चों में पेड़ों के प्रति प्रेम जागृत करना है। इस वर्ष सामाजिक वनीकरण अंतर्गत 39295 हेक्टेयर में बुवाई तथा 20 अर्बन फॉरेस्ट के निर्माण का आयोजन है। पंचरत्न ग्राम वाटिका मॉडल अंतर्गत 1000 गाँवों में प्रति गाँव 50 पौधे लगाए जाएंगे। 2025-26 में 34 पवित्र उपवन बनेंगे और 19895 हेक्टेयर में 153.90 लाख पौधों की बुवाई होगी।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल ने कहा कि सामाजिक वनीकरण में राज्य सरकार कटिबद्धता से कार्य कर रही है। खेडा जिले में भी इस दिशा में कार्य करते हुए गोविंदपुरा में वन कवच तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान अंतर्गत पीपलग गाँव में वन निर्माण किया गया है। राज्य सरकार ने ग्रीन ग्रोथ को विकास के पाँचवें स्तंभ के रूप में स्थान दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में 'हरित वन पथ' योजनांतर्गत रोडसाइड तथा कोस्टल हाईवे पर 100 हेक्टेयर में पेड़-पौधों की बुवाई, एग्रो फॉरेस्ट्री अंतर्गत 35000 हेक्टेयर में खेतों में वृक्षारोपण, 130 अमृत सरोवरों के चारों ओर प्रति सरोवर 200 पौधों की बुवाई व 136 वन कुटीरों का निर्माण तथा 100 किसान शिविरों के आयोजन की योजना है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार ने सभी उपस्थितों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा दी।

इस कार्यक्रम में खेडा के सांसद श्री देवूसिंह चौहाण, पंचमहाल के सांसद श्री राजपालसिंह जादव, ठासरा के विधायक श्री योगेन्द्रसिंह परमार, नडियाद के विधायक श्री पंकजभाई देसाई, महुधा के विधायक श्री संजयसिंह महिडा, मेहमदाबाद के विधायक श्री अर्जुनसिंह चौहाण, कपडवंज के विधायक श्री राजेशभाई झाला, मातर के विधायक श्री कल्पेशभाई परमार, अग्रणी श्री नयनाबेन पटेल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा हेड ऑफ द फॉरेस्ट फॉरेस्ट श्री ए. पी. सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) डॉ. जसपाल सिंह, जिला कलेक्टर श्री अमित प्रकाश यादव, जिला विकास अधिकारी श्री जयंत किशोर, अन्य अग्रणी, महानुभाव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मारा गया आतंकी समंदर चाचा उर्फ 'ह्यूमन जीपीएस' सेना ने किया ढेर

(एजेंसी)।

सुरक्षाबलों ने शनिवार को गुरेज में आतंकी संगठन के सरगना "ूमन जीपीएस' के नाम से मशहूर बागू खान को मार गिराया। बागू खान, जिसे समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था, 1995 से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (ढङ्कङ) में सक्रिय था।

घुसपैठ के दौरान हुई चूक

नौशेरा नार क्षेत्र से घुसपैठ के एक प्रयास के दौरान बागू खान और एक अन्य आतंकवादी को ढेर कर दिया गया। वह सबसे पुराने और सबसे सक्रिय घुसपैठ कराने वालों में से एक था। सुरक्षा ग्रिड के सूत्रों के अनुसार, उसने गुरेज सेक्टर के विभिन्न क्षेत्रों से 100 से अधिक घुसपैठ के प्रयासों को अंजाम देने में मदद की थी।

बागू खान को इलाके के ऊबड़-खाबड़ रास्तों और गुप्त जगहों की अच्छी खासी जानकारी थी, जिसके कारण उसके अधिकांश घुसपैठ के प्रयास सफल रहे। यही वजह थी कि वह सभी आतंकी समूहों के लिए खास था। वह हिजबुल कमांडर होने के

बावजूद, नियंत्रण रेखा से सटे गुरेज और पड़ोसी सेक्टरों से घुसपैठ की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में हर आतंकी संगठन की मदद करता था।

एक चूक और कहानी खत्म

सालों तक सुरक्षाबलों से बचते रहने के बाद, ताजा घुसपैठ के प्रयास में उसकी किस्मत ने उसका साथ छोड़ दिया। वह जब घुसपैठ की कोशिश कर रहा था तो एक चूक के उसकी जानकारी मिली। जिसके बाद सेना ने ऑपरेशन चलाया और उसे ढेर कर दिया। बागू खान का मारा जाना क्षेत्र में आतंकी संगठनों के लॉजिस्टिक नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

'ऑपरेशन नौशेरा नार क्ष्'

यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को भारतीय सेना द्वारा गुरुवार को मार गिराए जाने के दो दिन बाद हुई। 'ऑपरेशन नौशेरा नार क्ष्' के तहत नौशेरा नार के पास यह मुठभेड़ हुई।

कैसे दिया अंजाम?

इसमें अलर्ट सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे भारी हथियारों से लैस घुसपैठियों के एक समूह को घेर लिया। दोनों ओर से संक्षिप्त गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी अक्षय त्रिवेदी ने 30 अगस्त, 2025 को प्रकाशित की।

पीएम मोदी चीन पहुंचे, ट्रंप ने कैंसिल किया भारत दौरा, क्वाड समिट में नहीं लेंगे हिस्सा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस साल के अंत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत नहीं जाएंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है,

ब्लूमबर्ग के अनुसार, ट्रम्प प्रशासन ने इस साल जनवरी में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की थी, जब ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रम्प के शेड्यूल से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा, "मोदी को यह बताने के बाद कि वह इस साल के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे, ट्रम्प की अब शरद ऋतु में यात्रा करने की कोई योजना नहीं है।"

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर पर बोलीं उमा भारती हमारा अंतिम लक्ष्य आज भी पीओके को वापस लेना ही है'

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कभी बीजेपी की फायरब्रांड नेता रहीं उमा भारती इन दिनों सामाजिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। वह सक्रिय राजनीति से दूर जरूर हैं, लेकिन लगातार चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने कई टीवी चैनल को इंटरव्यू दिए हैं और देश से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय रखी है। एक मीडिया एजेंसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए कहा कि इसका अंतिम लक्ष्य आज भी पीओके को वापस लेना है। बीजेपी का रुख हमेशा पीओके को लेकर निर्णायक रहा है कि यह भारत का हिस्सा है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ फिर क्यों आए चचाओं में? इस्तीफे के बाद पहली बार किया ये बड़ा काम

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। इस्तीफे के बाद पहली बार उन्होंने अधिकारिक तौर पर कोई काम किया है। इस बार चर्चा का कारण उनके राजस्थान विधानसभा से

पेंशन का आवेदन है। 74 साल के धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में विधायक रहने के नाते पेंशन के लिए आवेदन किया है। साल 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अजमेर जिले की किशनगढ़ सीट से विधायक रहे जगदीप धनखड़ क राजस्थान विधानसभा से पेंशन मिलने का अधिकार है। वर्तमान में 74 वर्ष की उम्र पार कर चुके धनखड़ को नियमों के मुताबिक करीब 42 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलेगी।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने की तारीख तय, दिल्ली में लगेगा मजमा, दुनिया की रहेगी निगाह

(एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिमी देशों के बढ़ते दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। क्रेमलिन के विदेश नीति सहायक यूरी उशाकोव ने शुक्रवार को इस आधिकारिक यात्रा की बात को कन्फर्म किया है।

मोदी से मिलेंगे पुतिन

दिसंबर दौरे से पहले, पुतिन सोमवार को चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (रउड) शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। यह बैठक चीन के तियानजिन शहर में रउड प्लस की बैठक के तुरंत बाद होगी। उशाकोव ने पत्रकारों को बताया कि इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य दिसंबर में होने वाले पुतिन के भारत दौरे की तैयारियों पर चर्चा करना होगा।

संपर्क में हैं दोनों नेता

उशाकोव ने आगे कहा, "तियानजिन में दोनों नेताओं की इस साल की यह पहली मुलाकात होगी, हालांकि वे फोन पर नियमित रूप से संपर्क में रहे हैं।" उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि "हमारे देश एक विशेष रणनीतिक साझेदारी से बंधे हैं।" यह साझेदारी दिसंबर 2010 में औपचारिक रूप दी गई थी, जिसका मतलब है कि इस साल इसकी 15वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।

एक साल में दो बार रूस गए मोदी

मोदी पिछले साल दो बार रूस का दौरा कर चुके हैं - एक बार वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए और दूसरी बार कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए। पुतिन का यह दौरा भी वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए ही है। जापान की अपनी मौजूदा यात्रा से पहले, मोदी ने पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेताओं से रउड बैठक में मिलने की उत्सुकता व्यक्त की थी।

पुतिन के भारत दौरे की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ठीक बाद हुई है। यह टैरिफ नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की बड़े पैमाने पर खरीद के जवाब में लगाए गए थे। अमेरिका का यह कदम मॉस्को पर यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को समाप्त करने के लिए दबाव डालने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

तेजस्वी यादव ने मंच से फिर खुद को सीएम उम्मीदवार बताया, अखिलेश का मिला समर्थन लेकिन राहुल गांधी अभी भी मौन!

(एजेंसी)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब गिनती के ही दिन बचे हैं और इस बीच सीएम फेस को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए के मुख्यमंत्री उम्मीदवार नीतीश कुमार ही रहेंगे, जबकि औपचारिक तौर पर इंडिया अलायंस ने सीएम उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। हालांकि, तेजस्वी यादव कई बार खुले तौर पर कह चुके हैं कि वह अगले सीएम बनेंगे। अब यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी तेजस्वी का समर्थन किया है। राहुल गांधी अब तक इस मुद्दे पर मौन ही साधे हुए हैं।

तेजस्वी यादव ने तो बिहार वोट अधिकार यात्रा में राहुल गांधी को अगला प्रधानमंत्री भी घोषित कर दिया था। कांग्रेस ने अब तक सीएम पद के लिए तेजस्वी का समर्थन किया है। राहुल गांधी से जब बिहार में पूछा भी गया था, तो उन्होंने इस बात को टाल दिया था। समझें कांग्रेस अब तक अपने पत्ते क्यों नहीं खोल रही है?

बिहार में कांग्रेस इस बार संगठन और बूथ स्तर पर खुद को मजबूत करने की कोशिश में जुटी हुई है। एक तरफ एनडीए को हराने की चुनौती है, तो दूसरी ओर गठबंधन में भी सम्मानजनक स्थिति में रहने का संघर्ष है। इस पहलू को देखते हुए कांग्रेस चुनाव से पहले मुख्यमंत्री के लिए तेजस्वी का चेहरा घोषित करने पर राजी नहीं हो रही है। कांग्रेस हाई कमान को आशंका है कि अगर तेजस्वी को सीएम फेस घोषित किया जाएगा, तो कार्यकताओं का उत्साह भी ठंडा पड़ सकता है और बीजेपी-एनडीए की तरफ से भी तेज हमले शुरू हो सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी की कोशिश है कि वोट अधिकार यात्रा से जो सुगबुगाहट बनी है उसे जमीन पर आगे तक उतारा जा सके। ऐसे में कांग्रेस के पास चुनाव से पहले कार्यकताओं को एकजुट करने और बूथ मैनेजमेंट का इससे बेहतर मौका नहीं मिलेगा।

भगदड़ हादसे के पीड़ितों के लिए आरसीबी का बड़ा ऐलान, हर परिवार को देगी इतना पैसा

आईपीएल 2025 जीतने की खुशी बेंगलुरु में 4 जून को एक बड़े जश्न में तब्दील हुई थी। लेकिन यह जश्न एक बड़े हादसे में बदल गया। उस दिन स्टेडियम के बाहर अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। यह घटना हर क्रिकेट प्रेमी के लिए दर्दनाक थी। अब लगभग तीन महीने बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने इन परिवारों के लिए एक बड़ा कदम उठाया है।

टीम ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि हर पीड़ित परिवार को 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। लेकिन टीम ने यह भी साफ किया कि यह मदद सिर्फ पैसों तक सीमित नहीं है।

सम्पादकीय

बदलते भू-राजनीतिक बदलाव की पृष्ठभूमि में, एससीओ शिखर सम्मेलन

भारत के लिए, एससीओ अवसर और बाधाएं दोनों प्रस्तुत करता है। इसकी सदस्यता मध्य एशिया, रूस और चीन के साथ सीधा जुड़ाव प्रदान करती है, जो इस क्षेत्र के साथ नई दिल्ली के सीधे जमीनी संपर्व के अभाव को देखते हुए एक महत्वपूर्ण अंतर को भरती है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का 25वां शिखर सम्मेलन, यूरेशियाई क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक बदलाव की पृष्ठभूमि में, 31 अगस्त - 1 सितंबर, 2025 के दौरान चीन के तियानजिन में आयोजित किया जाएगा। यह बदलाव इस क्षेत्र में रूस के पुनः प्रभुत्व, वैश्विक मामलों में चीन की बढ़ती भूमिका और खोई हुई ज़मीन वापस पाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के कारण हुआ है। यूव्रेन- रूस युद्ध, अमेरिकी टैरिफ नीति, ईरान-इज़राइल युद्ध, अरब- इज़राइल युद्ध और एससीओ के सदस्य देशों के बीच संबंधों के पुनर्गठन ने वैश्विक भू-राजनीति में बदलाव को आवश्यक बना दिया है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) यूरेशिया में सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय समूहों में से एक के रूप में उभरा है, जो दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग एक-चौथाई का प्रतिनिधित्व करता है। चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा 2001 में शंघाई में स्थापित, यह संगठन मुख्य रूप से एक सुरक्षावेंद्रित पहल के रूप में शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य आतंकवादरोधी सहयोग और विश्वास-निर्माण उपायों के माध्यम से मध्य एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना था। इसकी उत्पत्ति 1996 के 'शंघाई फाइव' तंत्र से देखी जा सकती है, जिसने सीमा सीमांकन और सुरक्षा सहयोग को संबोधित किया था। 2001 में एक औपचारिक निकाय में इसके रूपांतरण और उसके बाद ताशवंद में क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (ऊए) की स्थापना के साथ, एण्ड ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की 'तीन बुराइयों' का मुकाबला करने पर ध्यान वेंद्रित किया। इन वर्षो में, एजेंडा का विस्तार आर्थिक सहयोग, संपर्व और सांस्वृतिक जुड़ाव तक हुआ, हालाँकि प्रगति असंगत रही है। समकालीन प्रासंगिकता और क्षेत्रीय सहयोग : आज के भूराजनीतिक परिवेश में, एससीओ प्रासंगिक है क्योंकि यह यूरेशियाई सहयोग के लिए एक गैर-पामी संस्थागत मंच प्रदान करता है। ऐसे समय में जब क्षेत्र अफ़गानिस्तान में अस्थिरता, उग्रवाद के प्रसार और वैश्विक शत्ति परिवर्तन का सामना कर रहा है, एससीओ रूस और चीन को नाटो और यूरोपीय संघ जैसे पामी नेतृत्व वाले संस्थानों के साथ संतुलन बनाने का एक तंत्र प्रदान करता है। मध्य एशिया के विशाल ऊर्जा संसाधन और कनेक्टिविटी परियोजनाओं का अंतर्संबंध, इस समूह के सामरिक महत्व को बढ़ाता है। इसके वरषिक शिखर सम्मेलन, रक्षा मंत्रियों की बैठवें और सांस्वृतिक आदान-प्रदान इस मंच को राजनीतिक रूप से दृश्यमान बनाए रखते हैं। हालाँकि, इसकी उपलब्धियाँ मिश्रित रही हैं। हालाँकि आरएटीएस खुफि या जानकारी साझा करने का समन्वय करता है और आतंकवाद-रोधी अयासों का आयोजन करता है, आतंकवाद का जारी रहना इसके प्रभाव की सीमाओं को उजागर करता है। आर्थिक सहयोग रुका हुआ है, क्योंकि एससीओ विकास बैंक और ऊर्जा क्लब जैसी परियोजनाएँ असहमतियों के कारण अधूरी रह गईं हैं। सांस्वृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान मौजूद हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंडे के लिए गौण बने हुए हैं। व्यवहार में, एससीओ गहन क्षेत्रीय सहयोग के संचालक के बजाय एक संवाद मंच के रूप में अधिक विकसित हुआ है। भारत और एससीओ : भारत के लिए, एससीओ अवसर और बाधाएँ दोनों प्रस्तुत करता है। इसकी सदस्यता मध्य एशिया, रूस और चीन के साथ सीधा जुड़ाव प्रदान करती है, जो इस क्षेत्र के साथ नई दिल्ली के सीधे जमीनी संपर्व के अभाव को देखते हुए एक महत्वपूर्ण अंतर को भरती है। आतंकवादरोधी ढाँचा खुफि या सहयोग की संभावनाएँ प्रदान करता है, हालाँकि पाकिस्तान की उपस्थिति इसकी प्रभावशीलता को सीमित करती है। कूटनीतिक रूप से, एससीओ में भागीदारी भारत की बहु-संरेखण रणनीति के अनुरूप है।

गुजरात के कृषि विकास के साथी, बीज निगम के गुणवत्तायुक्त व प्रमाणित बीज

(एजेंसी)।

गांधीनगर, 30 अगस्त :गुजराती में एक कहावत है, 'जिसकी दाल बिगड़ी, उसका दिन बिगड़ा और जिसका अचार बिगड़ा, उसका वर्ष बिगड़ा।' उसी प्रकार; कृषि क्षेत्र में भी कहा जा सकता है, 'जिसका बीज कमजोर, उसका पूरा वर्ष कमजोर'; कारण कि किसी भी फसल के उत्पादन में गुणवत्तायुक्त बीज सबसे बुनियादी एवं महत्वपूर्ण घटक होता है। यदि बीज ही उत्तम न हो; तो जमीन, पानी, खाद तथा किसान की मेहनत जैसे सारे फैक्टर्स निरर्थक सिद्ध होते हैं। गुणवत्तायुक्त बीज कृषि खर्च घटाकर तथा उत्पादन बढ़ाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाता है।

गुजरात के किसानों को गुणवत्तायुक्त तथा प्रमाणित बीज प्रदान कर उनकी आय बढ़ाने के शुभाशय के साथ गुजरात राज्य बीज निगम (गुराबीनि) द्वारा उच्च गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन व वितरण किया जाता है। निगम द्वारा राज्य के सुदूरवर्ती किसानों तक समय पर, उचित एवं उच्च गुणवत्तायुक्त बीज उचित दम पर उपलब्ध कराया जा रहा है। निगम द्वारा गत वर्ष 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का उत्पादन किया गया, जिसके सापेक्ष चालू वर्ष 2025-26 में लगभग 3.40 लाख क्विंटल बीज का किसानों को वितरण किया जाएगा।

कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल ने यह विवरण देते हुए कहा कि बीज निगम द्वारा गेहूँ, धान, मूंगफली, हाइब्रिज अरंडी, सोयाबीन, चना, मूंग एवं जीरा सहित कुल 24 मुख्य फसलों की लगभग 125 से अधिक किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन-सह-विक्रय किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में पिछले तीन वर्ष में बीज निगम द्वारा बीज का उत्पादन तथा विक्रय लगातार बढ़ रहा है। निगम द्वारा चालू वर्ष 2025-26 में 3.75 लाख क्विंटल बीज उत्पादन तथा वर्ष 2030 तक वार्षिक 4 लाख क्विंटल से अधिक बीज का वितरण करने का आयोजन किया गया है।

कृषि मंत्री ने जोड़ा कि बीज निगम द्वारा वर्ष 2022-23 में कुल 2.38 लाख क्विंटल बीज के उत्पादन के सापेक्ष गत वर्ष 2024-25 में कुल 3.68 लाख क्विंटल बीज का उत्पादन किया गया था। यानी केवल दो ही वर्ष में बीज के उत्पादन में 1.30 लाख क्विंटल की वृद्धि देखी गई है। इसी प्रकार; वर्ष 2022-23 में कुल 2.49 लाख क्विंटल बीज के वितरण के सापेक्ष वर्ष 2024-25 में 2.97 लाख क्विंटल बीज की बिक्री की गई। इसमें भी केवल दो ही वर्ष में 48,000 क्विंटल की वृद्धि देखी गई है। ये आँकड़े स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि बीज निगम लगातार अपना कार्यक्षेत्र एवं उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है।

राज्य सरकार की भूमिका तथा बीज निगम की कार्यपद्धति

1. गुणवत्ता का आश्वासन :निगम द्वारा सम्बद्ध क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों के साथ मिलकर बीज उत्पादन कार्यक्रम किए जाते हैं। इस प्रक्रिया में बुवाई से लेकर फसल की कटाई, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग तथा स्टोरेज तक की सभी बातों का वैज्ञानिक ढंग से निरीक्षण किया जाता है। इसमें उत्पादित बीज को प्रमाणन एजेंसी द्वारा प्रमाणित किया जाता है, जो सुनिश्चित करता है कि बीज की आनुवंशिक शुद्धता, भौतिक शुद्धता तथा अंकुरण क्षमता उच्चत स्तर की है।

2. वाजिब दाम तथा आसान उपलब्धता :निगम द्वारा राज्यभर में गाँव, तहसील एवं जिला स्तर पर सहकारी संस्थाओं तथा निजी अधिकृत बीज विक्रेताओं के माध्यम से बीज का विक्रय-वितरण किया जाता है। हाल में निगम का कुल 1289 अधिकृत बीज विक्रेताओं का विशाल नेटवर्क है। इसमें 401 सहकारी संस्थाएँ, 367 कृषि-क्लिनिक्स तथा कृषि व्यवसाय केन्द्र, 521 निजी संस्थाएँ शामिल हैं। इस नेटवर्क के माध्यम से राज्य के सुदूरवर्ती-दूरदराजी क्षेत्रों के किसानों को भी समान दाम पर तथा आसानी से बीज मिल जाते हैं।

3. कृषि अनुसंधान को वेग :बीज निगम कृषि विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थाओं द्वारा नई सिफारिश की गई किस्मों के बीज उत्पादन को प्राथमिकता देता है और पुरानी किस्मों का उत्पादन कम करके, वेराइटल रिप्लेसमेंट रेट (वीआरआर) तथा सीड रिप्लेशमेंट रेशियो (एसआरआर) बढ़ाने का प्रयास करता है। इससे नई अधिक उपज देने वाली तथा रोगप्रतिकारक किस्में तेजी से किसानों तक पहुँचती हैं और समग्र कृषि क्षेत्रकी उत्पादकता में सुधार होता है।

इसी कारण आज गुजरात राज्य बीज निगम केवल बीज का उत्पादन तथा विक्रय करने वाली एक संस्था ही नहीं, बल्कि गुजरात के अनेक किसानों के विश्वास का प्रतीक बना है।

'प्रेम ह्रदय की स्वामिनी : राधा रानी'

राधा अष्टमी प्रेम स्वरूपा परम पुनिता किशोरी जी राधा रानी का प्राकट्य दिवस है। ईश्वर की लीला में कृष्ण जन्मोत्सव के आनंद से उल्लासित होने वाले सभी भक्त अब रासेश्वरी ब्रज की महारानी के प्राकट्य दिवस में प्रेम पूर्वक भक्ति की यात्रा की ओर अग्रसर होगें। कहते है श्री कृष्ण की प्रसन्नता राधे-राधे नाम में निहित है। बरसाने वाली राधा रानी तो केवल प्रेम की कृपा बरसाने के लिए प्रकट हुई है। कृष्ण की शक्ति स्वरूपा राधा रानी है। प्रेम स्वामिनी कोमल ह्रदय से परिपूरित चन्द्रचकोरी राधा प्रेम की अनुभूति ही भक्त के जीवन में प्रदान करती है। जहाँ प्रेम होता है वहाँ ज्ञान नगण्य हो जाता है। गुण-दोष समाप्त हो जाते है।

प्रेम एक बंधन नहीं अपितु बंधन से ऊपर सर्वस्व समर्पण है। राधा-कृष्ण का मधुर संगम जीवन में प्रेम की अनुपम धारा को प्रवाहित कर देता है। कृष्ण ब्रज से जाने के पश्चात कभी प्रेम स्वरूपा राधा को नहीं भूले, उसी प्रकार राधा भी कृष्ण के वियोग के वेदना को ही शिरोधार्य करती रही। कृष्ण के प्रेम को ही राधा अपना सर्वस्व मानती है। ब्रज की महारानी प्रेम को छल से अलग रखने की ओर प्रेरित करती है और निश्छल-निष्काम प्रेम की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। जब कृष्ण ब्रज से गए तो वे किशोरी जी को बाँसुरी भेंट कर के गए और कह कर गए की मेरी स्मृति में तुम यह बाँसुरी बजा लेना। तब श्री राधा रानी ने कहा की कन्हैया की मैं तुम्हे कभी भूलूंगी ही नहीं तो फिर बंसी कब बजाऊँगी।

राधा केवल एक नाम नहीं है बल्कि कोमल, माधुर्य एवं प्रेम ह्रदय की स्वामिनी का एक भाव है, जीवन में प्रेमपूर्वक की गई भक्ति का आनंद प्रवाहित करता है। राधा प्रेम की अभिव्यक्ति है। भावों की सरलता एवं सुंदरता से सुशोभित होती है। राधा की भक्ति में सर्वस्व श्री कृष्ण का निष्काम प्रेम है। राधा के प्रेम की शक्ति के अधीन श्री कृष्ण राधे नाम स्मरण करने से स्वयं भक्त के समक्ष होते है। जिस प्रकार कृष्ण के ह्रदय में राधे है उसी प्रकार राधे के ह्रदय में प्रेम स्वरुप श्री कृष्ण विराजमान है। हमें भी अपने जीवन में उस प्रेम के प्रतीक राधे-कृष्ण की जोड़ी को ह्रदय में विराजमान करना है। उद्धव श्री कृष्ण को ब्रह्म स्वरुप जानते थे और यही ज्ञान वह ब्रज वासियों को देने के लिए ब्रज गए, परन्तु ब्रज में निवासरत सभी के निष्काम प्रेम ने उद्धव के ज्ञान को भी प्रेम की भक्ति में परिवर्तित कर दिया। श्री कृष्ण के प्रति ब्रज वासियों का निश्छल प्रेम कृष्ण के प्रति अपनत्व के भावों ने उद्धव के ज्ञान को उद्वेलित कर दिया। वे समझ गए की जीवन में प्रेम का कितना महत्त्व है।

प्रेम की उत्कृष्ट भावों की माला में राधा-कृष्ण का सर्वोच्च स्थान है। वे दोनों एक ही स्वरुप है। कृष्ण प्रत्येक प्राणी को आकर्षित करते है और राधा उनमें प्रेम भाव प्रवाहित करती है, पर राधा के प्रेम में आकर्षण नहीं बल्कि सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा निहित है। उस प्रेम में प्रेमी का कल्याण और हित होता है। वृन्दावन विहारिणी रासेश्वरी कृष्ण की सहचरी नहीं है बल्कि उनकी दिव्य शक्ति स्वरूपा है। अगाध प्रेम की स्वामिनी राधा रानी का प्राकट्य वृषभानु (सूर्य भगवान के अवतार) के यहाँ हुआ, क्योंकि भगवान विष्णु के अवतार विश्व मोहिनी का स्वरुप देखकर सूर्य भगवान के मन में उन्हें पुत्री रूप में प्राप्त करने की इच्छा हुई और ईश्वर तो भक्त के अधीन होते है और प्रभु ने भक्त की इच्छा पूर्ण करने के लिए राधा रानी के रूप में आना स्वीकार किया और भाद्रपद की शुक्ल अष्टमी को राधा रानी का प्राकट्य हुआ। श्री राधा रानी प्रेम, भक्ति और कृपा की अधिष्ठात्री देवी है। राधा के लिए श्री कृष्ण उनका सम्पूर्ण संसार है। निष्काम प्रेम की प्रतिमूर्ति राधे भक्त को ह्रदय में शांति एवं प्रेम प्रदान करती है।

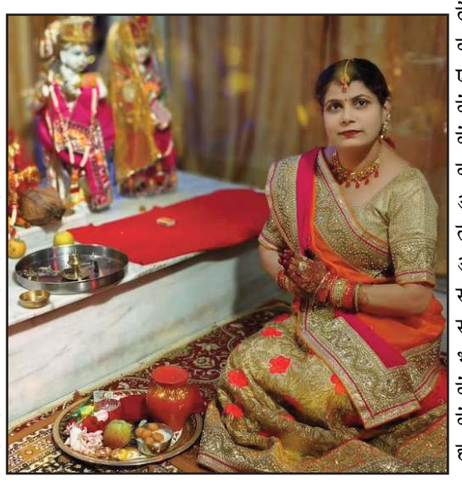

राधा रानी का प्राकट्य हमें शिक्षा देता है कि कृष्ण तक पहुँचने का सबसे सुलभ मार्ग निश्छल एवं निष्काम प्रेम है, प्रभु उसी के अधीन होते है। राधा रानी के प्रेम में सर्वस्व समर्पण था कोई अपेक्षा नहीं थी। राधा अष्टमी कोई धार्मिक तिथि या त्यौहार नहीं है बल्कि यह प्रेम और करुणा से ईश्वर की साधना का सर्वोच्च समय है। राधा का प्राकट्य श्री कृष्ण की भक्ति को परिपूर्णता प्रदान करने के लिए ही हुआ है, जिससे प्रेम के बीज का अंकुरण ह्रदय में होता है।

आज के भौतिकतावादी युग में निष्काम प्रेम का भाव नगण्य हो गया है, पर प्रभु से निष्काम प्रेम किया जा सकता है क्योंकि वे ही प्रेम की सच्चाई से पूर्णतः परिचित है। राधा रानी का स्वरुप हमें प्रेम के प्रति दृढ़ता सिखाता है। ईश्वर प्राप्ति में आडम्बर नहीं वरन शुद्ध ह्रदय से प्रेम का भाव महत्वपूर्ण है। राधा का प्रेम निष्कपटता, समर्पण, त्याग एवं करुणा जैसे अलंकारों से सुशोभित होता है। उसमें स्वार्थ का कोई अस्तित्व नहीं है। भक्त जब श्री राधा रानी की शरण में जाता है तो वह प्रेम पूर्वक अपनी भक्ति की यात्रा को पूर्ण करता है। कृष्ण राधा का सम्बन्ध लौकिक एवं अलौकिक प्रेम से ऊपर निष्काम प्रेम का प्रतीक है। वह प्रेम भक्ति और करुणा का अटूट संगम है। राधा अष्टमी में व्रत एवं पूजा का विधान सिर्फ ईश्वर के प्रति भाव को प्रगाढ़ करने के लिए है। राधा रानी मूलतः जीवन में प्रेमभाव को प्रबलता प्रदान करती है और ईश्वर से मिलन का मार्ग प्रशस्त करती है। तो आइये हम श्री कृष्ण वल्लभा राधे राधे के नाम उद्घोष से कृष्ण की कृपा को प्राप्त कर आध्यात्मिक यात्रा की ओर उन्नयन करते है। जय जय श्री राधे।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)

प्रेषकः

डॉ. रीना रवि मालपानी

'परम सुंदरी' ने ओपनिंग डे पर किया ऐसा कमाल, कमाए इतने करोड़

(एजेंसी)।

बॉलीवुड की नई रिलीज 'परम सुंदरी' ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से बेहतर शुरूआत की है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को लेकर शुरूआती रिस्पॉन्स बहुत मजबूत नहीं था।

लोगों को पसंद आ रही है फिल्म 'परम सुंदरी'

फिल्म के ट्रेलर को खास पसंद नहीं किया गया था और जाह्नवी कपूर के किरदार पर भी सवाल उठे थे, लेकिन इन सबके बावजूद फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छा प्रदर्शन किया है। दर्शकों को फिल्म पसंद आ रही है।

फिल्म ने ओपनिंग डे पर की इतनी कमाई

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक गत 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई फिल्म 'परम सुंदरी' ने पहले दिन 7.25 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया है। करीब 50 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म के लिए ये आंकड़ा संतोषजनक माना जा रहा है।

-अगर आने वाले दिनों में भी फिल्म इसी रफ्तार से कमाई करती रही, तो एक-दो हफ्तों में ये अपने बजट का औसत निकाल लेगी। ओपनिंग डे पर फिल्म की ऑक्यूपेंसी भी ठीकठाक रही। सुबह के शोज- 8.19 फीसदी, दोपहर के शोज-11.45 फीसदी, शाम के शोज- 12.27 फीसदी और रात के शोज 19.77 फीसदी भरे रहे।

क्यों देखें फिल्म 'परम सुंदरी'?

-इसके अलावा शाम और रात के शोज में दर्शकों की संख्या बढ़ी थी, जिससे बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को मजबूती मिली है। आपको बता दें कि फिल्म का एक पहलू इसकी पृष्ठभूमि है। 'परम सुंदरी' साउथ कल्चर और बैकग्राउंड पर आधारित है, जबकि मैडॉक फिल्म्स की ज्यादातर फिल्में यूपी-एमपी की झलक लिए होती हैं। यही कारण है कि हिंदी बेल्ट के दर्शकों से फिल्म को थोड़ी चुनौती मिल सकती है।

-हालांकि फिल्म 'परम सुंदरी' के लिए दो बड़े प्लस प्वाइंट्स भी हैं। एक तो ये फिल्म पूरी तरह से फैमिली ऑडियंस के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा आने वाले हफ्ते में कोई बड़ी रिलीज नहीं है, जिससे इसे बॉक्स ऑफिस पर खुलकर रन करने का मौका मिलेगा।

-फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन भले ही धमाकेदार न हो, लेकिन फिल्म की शुरूआत पॉजिटिव रही है। अगर कंटेंट ने दर्शकों को पकड़ लिया, तो परम सुंदरी भी सैयारा जैसी स्लीपर हिट साबित हो सकती है।

एयरफोर्स के वाइस चीफ मार्शल ने ऑपरेशन सिंदूर की ताजा फुटेज शेयर की, खोला चौंकाने वाला राज

(एजेंसी)।

भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। उन्होंने शनिवार को इस सैन्य अभियान से संबंधित नई फुटेज और विवरण साझा किए, जो मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई थी। यह अभियान पहलगाम हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

एयर मार्शल तिवारी ने एनडीटीवी डिफेंस समिट में बताया कि पाकिस्तान को संघर्षविराम के लिए मजबूर करने में भारतीय वायुसेना ने 50 से भी कम हथियारों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, "हमारे पास विकल्पों की सूची में कई लक्ष्य समूह थे, और अंततः हमने नौ लक्ष्यों को चुना।" उन्होंने यह भी जोड़ा, "हमारे लिए मुख्य बात यह रही कि हमने 50 से भी कम हथियारों

में संघर्ष को समाप्त करने में सफलता प्राप्त की। मैं चाहता हूं कि आप इस बात को समझें।"

तिवारी ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के ठीक अगले दिन, तीनों सेनाओं ने अपने मुख्यालयों में बैठक की और संभावित जवाबी कार्रवाई की योजना बनानी शुरू की। उन्होंने कहा, "इनमें से कुछ योजनाएं और आकस्मिकताएं हम समय के साथ तैयार करते रहते हैं, और ऐसी आपात स्थितियों के लिए उन्हें बाहर निकालते हैं जब हमें तेजी से प्रतिक्रिया देनी होती है।"

ऑपरेशन की योजना पर 24 अप्रैल को एक उच्च-स्तरीय टीम के सामने प्रस्तुत किया गया था। तिवारी ने जानकारी दी, "तीनों सेवाओं के लिए सभी संभावित विकल्पों पर चर्चा की गई, और हमने मुख्य रूप से लक्ष्य छांटे और 29 अप्रैल के आसपास सामरिक योजना शुरू की।" उन्होंने बताया कि लक्ष्य तय हो चुके थे, केवल तारीख और समय तय करना बाकी था, जिसे अंततः 5 मई को तय किया गया।

उन्होंने आगे कहा, "जैसा कि आप जानते हैं, 6, 7 (भोर में) और 9 मई को हमने लक्ष्यों पर हमला किया।" एयर मार्शल तिवारी के अनुसार, नई दिल्ली के शीर्ष निदेशों के तीन स्पष्ट उद्देश्य थेः प्रतिक्रिया मजबूत और स्पष्ट होनी चाहिए, संदेश भविष्य के हमलों के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य करना चाहिए, और सशस्त्र बलों को पूर्ण परिचालन स्वतंत्रता मिलनी चाहिए,

बांग्लादेश-नीदरलैंड्स में जोरदार टक्कर आज, कितने बजे शुरू होगा मैच? कैसे देखें लाइव मुकाबला

(एजेंसी)।

एशिया कप के लिए बांग्लादेश ने तैयारी शुरू कर दी है और नीदरलैंड्स के खिलाफ आज मैच खेला जाना है। सिलहट में होने वाले टी20 में घरेलू टीम एक जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी। एशिया कप खेलने वाली लगभग हर टीम कहीं न कहीं इंटरनेशनल मैच खेलने का प्रयास कर रही हैं। टीम इंडिया रेस्ट कर रही है।

अगले साल टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में होना है। उसे देखते हुए नीदरलैंड्स ने बांग्लादेश दौरा करने का निर्णय लिया। डच टीम पहली बार बांग्लादेश दौरे पर है। तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज है।

भारतीय समय के अनुसार इस मैच की शुरूआत शाम 5:30 बजे हो जानी है। मुकाबले का टॉस शाम 5 बजे होगा। दोनों टीमों में बांग्लादेश को मजबूत माना जा सकता है। घरेलू कंडीशंस का फायदा भी बांग्लादेश की टीम उठाने वाली है।

जहां तक इस मैच के लाइव प्रसारण का सवाल है, तो भारत में कोई टीवी चैनल इस मैच का सीधा प्रसारण नहीं करेगा। फैन्स को ओटीटी पर यह मैच देखने का मौका मिलने वाला है। ओटीटी प्लेटफॉर्म में फैनकोड का पास मैच प्रसारित करने के अधिकार हैं, वहां लाइव देखा जा सकता है। हालांकि इसके लिए सब्सक्रिप्शन होना जरूरी है।

कैसी रहेगी पिच

जहां तक पिच का सवाल है, तो यह स्पिनरों के लिए मददगार रहने वाली है। बांग्लादेश आम तौर पर इस तरह की पिचें बनाकर विपक्षी टीम को हराने का काम करता है। यह कई बार हुआ है। एक तरह से ये डेड पिचों की तरह होती हैं।

बांग्लादेश टीमः तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन इमोन, लिटन दास (विकेटकीपर/कप्तान), तौहीद हृदयो, जाकिर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद सैफुद्दीन, नासुम अहमद, नुरुल हसन, सैफ हसन, तास्किन अहमद

नीदरलैंड्स टीमः मैक्स ओ'डॉउड, विक्रमजीत सिंह, स्कॉट एडवर्ड्स (विकेटकीपर/कप्तान), नोआ क्रोस, सेड्रिक डी लांग, तेजा निडामनुरु, सिकंदर जुल्फिकार, सेबास्टियान ब्राट, आर्यन दत्त, डैनियल डोरम, पॉल वान मीकेरेन, बेन फ्लेचर, काइल क्लेन, टिम प्रिंगल, शारीज अहमद

'वीकेंड का वार' में सलमान खान का फूटेगा गुस्सा, कॉमेडियन प्रणित मोरे पर बरसेंगे सुपरस्टार

(एजेंसी)।

टीवी का पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' का पहला 'वीकेंड का वार' बस शुरू होने वाला है। आज यानी 30 अगस्त 2025 (शनिवार) रात को शो के होस्ट सलमान खान आएंगे और घरवालों की पूरे हफ्ते की क्लास लेंगे।

कॉमेडियन प्रणित मोरे को सलमान खान की फटकार

इस बार का प्रोमो दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा में है, क्योंकि इसमें सलमान खान सीधे कॉमेडियन प्रणित मोरे को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। नए प्रोमो में सलमान खान कहते हैं- प्रणित... स्टैंडअप कॉमेडियन। मुझे पता है कि आपने मेरे बारे में

क्या-क्या बोला है। आपके जोक्स सही नहीं थे।

वीकेंड का वार का प्रोमो हुआ वायरल

-सलमान खान आगे कहते हैं- अगर आप मेरी जगह होते और मैं आपकी जगह अंदर होता, तो आप कैसे रिएक्ट करते? लोगों को हंसाना था, आपने मेरा नाम यूज किया, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आपको 'बिलो द बेल्ट' जाना चाहिए।

-सलमान खान की डांट सुनकर घर में मौजूद तान्या मित्तल से लेकर बसीर अली तक सभी चौंक जाते हैं और माहौल गंभीर हो जाता है। वीकेंड का वार के इस प्रोमो ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर लोग तरह-तरह के मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं।

-एक यूजर ने लिखा है- वीकेंड पर जबरदस्त मजा आएगा, सबको उनकी असलियत दिखेगी। एक दूसरे शख्स ने मजाक में लिखा है- प्रणित मोरे का सलमान खान ने मोये मोये कर दिया। एक दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है- भाईजान के सामने बड़ी-बड़ी तोपें भी फुस्स हो जाती हैं, अब देखना है कि प्रणित कैसे संभलते हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई, 30 अगस्त, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच विशेष किराये पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल – इंदौर (त्रि – साप्ताहिक) स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल – इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 1 से 12 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर –मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन इंदौर से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 2 से 13 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 31 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

उत्तर रेलवे के कठुआ–माधोपुर पंजाब सेक्शन में डाउन लाइन पर ब्रिज संख्या 17 पर बारिश के चलते मिसअलाइमेंट होने के कारण रेल यातायात स्थगित किया गया है। जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त ट्रेनें:–

1. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19223 साबरमती–जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
2. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 12478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा– जामनगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
3. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19415 साबरमती–श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
4. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी–साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
5. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस–शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

31 अगस्त को भावनगर टर्मिनस से चलने वाली भावनगर-शहिद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस पूर्णतः रद्द

परिचालन कारणों से पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल से चलने वाली भावनगर टर्मिनस–शहिद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस को रद्द किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि झ

● दिनांक 31 अगस्त 2025 (रविवार) को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस–शहिद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस का संचालन पूर्णतः निरस्त रहेगा।

'स्वदेशी एयरो-इंजन से लेकर सुदर्शन चक्र तक', राजनाथ सिंह ने सेना को अपग्रेड करने वाली योजनाओं का किया खुलासा

(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में नोएडा में एक निजी एयरो इंजन परीक्षण सुविधा का उद्घाटन करते हुए भारत के सैन्य उन्नयन के लिए सरकार की योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में भारतीय सेना विदेशी आपूर्तियों पर निर्भर नहीं रह सकती।

सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि प्रस्तावित 'सुदर्शन चक्र' वायु रक्षा प्रणाली के तहत अगले दस वर्षों में देश की सभी महत्वपूर्ण संस्थापनाओं को हवाई सुरक्षा प्रदान की जाएगी। पीटीआई के अनुसार, इस प्रणाली में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के तत्व शामिल होंगे।

फ्अखठअळल रक्ठॠ

उन्होंने राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड की रक्षा उपकरण और इंजन–परीक्षण सुविधा को "आत्मनिर्भर भारत का एक मजबूत प्रतिबिंब" बताया। सिंह ने कहा कि भारत एक शक्तिशाली स्वदेशी एयरो–इंजन विकसित करेगा, जिसके लिए तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है और काम जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने 'सुदर्शन चक्र' पहल को भारत की भविष्य की सुरक्षा के लिए "गेम–चेंजिंग" बताया।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ड्रोन आधुनिक युद्ध रणनीति के लिए महत्वपूर्ण हो गए हैं और उन्हें भारत की युद्ध नीति में शामिल किया जाना चाहिए। सिंह ने कहा, "सामान्य तौर पर, जब हम 'विमान' शब्द सुनते हैं, तो तेजस, राफेल और लड़ाकू जेट की तस्वीरें दिमाग में आती हैं। यह स्वाभाविक है, क्योंकि ये सभी लड़ाकू विमान हैं।"

हालांकि, उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में, ड्रोन युद्ध के मैदान में एक "महत्वपूर्ण शक्ति" के रूप में उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने रूस–यूक्रेन संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि ड्रोन इसमें निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं और दोनों पक्ष उनका बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। पीटीआई ने सिंह के हवाले से कहा, "अगर आप रूस–यूक्रेन संघर्ष को करीब से देखेंगे, तो आप देखेंगे कि ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया है – पहले, अब, और लगातार।"

उन्होंने कहा कि यह ड्रोन के महत्व को समझने की आवश्यकता को सामने लाता है और कैसे उन्हें भारत की युद्ध नीति में शामिल करना आवश्यक हो गया है। सिंह ने ड्रोन के इतिहास पर भी प्रकाश डाला, यह याद करते हुए कि पहले उनका उपयोग केवल निगरानी और टोही के लिए किया जाता था।

बाद में, कुछ देशों ने लड़ाकू उद्देश्यों के लिए ड्रोन विकसित करना शुरू कर दिया, और कई राष्ट्रों ने इन्हें अपने सीमा संघर्षों में तैनात किया।

देश के बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट जारी – नीतीश गायब, योगी 5वें स्थान पर

(एजेंसी)।

देश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री और बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की नई लिस्ट सामने आई है। इंडिया टुडे-सीवोटर मूड ऑफ द नेशन (MOTN) सर्वे के आंकड़े सामने आए हैं और इसमें देश के मुख्यमंत्रियों की परफॉर्मेंस को लेकर जनता की राय ली गई। नतीजे वाकई चौंकाने वाले हैं क्योंकि इस बार बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम कहीं नहीं है। इतना ही नहीं महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस का भी नाम बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट से बाहर है। हालांकि ये दोनों नेता लोकप्रिय मुख्यमंत्री की लिस्ट में शामिल हैं।

सर्वे में जब लोगों से यह सवाल पूछा गया कि देश का सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री कौन है? तो सबसे ज्यादा लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिया। सीएम योगी को देशभर के 36% लोगों ने सबसे बेहतर मुख्यमंत्री माना है। सीएम योगी ने अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी है। फरवरी 2025 में उनकी स्वीकृति रेटिंग 35% थी, जो अब अगस्त 2025 में बढ़कर 36% हो गई है। हालांकि परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में राष्ट्रीय स्तर पर सीएम योगी 5वें नंबर पर हैं।

ममता बनर्जी और चंद्रबाबू नायडू की लोकप्रियता बरकरार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपनी स्थिति मजबूत की। फरवरी में उनका आंकड़ा 11% था, जो अगस्त 2025 में बढ़कर 13% हो गया। इस तरह वे राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर कायम हैं। हालांकि बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में वो 9वें नंबर पर हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी लगातार अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। फरवरी 2025 में उनकी रेटिंग 5% थी, जो अगस्त में बढ़कर 7% हो गई और लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में वे तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में वो 7वें नंबर पर हैं।

असम के हिमंत बिस्वा सरमा बने देश के बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम

सर्वे के मुताबिक असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा बड़े राज्यों में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले मुख्यमंत्री बने हैं। अगस्त 2025 में 44.6% लोगों ने उनके कामकाज को संतोषजनक बताया। हालांकि, उनकी लोकप्रियता फरवरी 2025 में 55% थी, जो अब घटकर 44.6% रह गई है। बावजूद इसके वे देशभर के मुख्यमंत्रियों में नंबर 1 पर हैं।

● हेमंत सोरेन और विष्णु देव साय की बड़ी छलांग

◆ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की लोकप्रियता भी फरवरी के 39% से बढ़कर अगस्त में 42% हो गई। विष्णु देव साय टॉप-10 की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

◆ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकप्रियता में सबसे बड़ा उछाल देखने को मिला। फरवरी में जहां उनका आंकड़ा 31% था, वहीं अगस्त में यह बढ़कर 42% हो गया। हेमंत सोरेन टॉप-10 की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। दोनों नेताओं ने इस सर्वे में शानदार प्रदर्शन किया और टॉप परफॉर्मर्स की लिस्ट में मजबूती से जगह बनाई।

● ड्ढ२३ ढ१ड्ढ१ल्लॅ उट छ२३: सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले मुख्यमंत्री (बड़े राज्यों में) (10 से ज्यादा लोकसभा सीट वाले राज्य)

1. हिमंत बिस्वा सरमा (असम) – 44.6%
2. विष्णु देव साय (छत्तीसगढ़) – 41.9%
3. हेमंत सोरेन (झारखंड) – 41.9%
4. भूपेंद्र पटेल (गुजरात) – 40.7%
5. योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश) – 40.4%
6. मोहन यादव (मध्य प्रदेश) – 39.2%
7. चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश) – 38.1%
8. मोहन चरण मजी (ओडिशा) – 34.2%
9. ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल) – 30.1%

10 भगवंत सिंह मान (पंजाब) – 29.9%

● नीतीश कुमार क्यों नदारद?

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो अक्सर राष्ट्रीय राजनीति और चचाओं में छाए रहते हैं, इस लिस्ट में कहीं भी दिखाई नहीं दिए। इससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या बिहार की जनता नीतीश सरकार से संतुष्ट नहीं है या उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है।

● छोटे राज्य (10 से कम लोकसभा सीटों वाले राज्य)

मुरैना में भाजपा की अंदरूनी कलह, पूर्व विधायक रघुराज कंसाना ने अपनी ही सरकार और मंत्रियों पर साधा निशाना

(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अंदरूनी मतभेद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। शुक्रवार को मुरैना के पूर्व विधायक और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी समर्थक रघुराज सिंह कंसाना ने अपनी ही सरकार और मंत्रियों के खिलाफ खुलकर नाराजगी जाहिर की। पूर्व जिलाध्यक्ष नगेंद्र तिवारी के निवास पर आयोजित एक कार्यकर्ता बैठक में कंसाना ने मंत्रियों और नेताओं पर कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का गंभीर आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जब मंत्रियों के पास अपने ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए समय नहीं है, तो प्रशासन से सुनवाई की उम्मीद कैसे की जा सकती है। इस बयान ने मुरैना की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है।

शुक्रवार को मुरैना में पूर्व जिलाध्यक्ष नगेंद्र तिवारी के निवास पर आयोजित कार्यकर्ता बैठक में रघुराज कंसाना ने अपनी बात बेबाकी से रखी। उन्होंने कहा, "हमारे लिए ना प्रभारी मंत्री के पास समय है, ना ही सरकार के अन्य मंत्रियों के पास। जब कभी बात करते हैं तो सिर्फ हालचाल पूछते हैं। यही कारण है कि अधिकारी भी हमारी बात नहीं सुनते।

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई -400008 निविदा सूचना आमंत्रित करते हैं: -BCT/25-26/206 दिनांक: 28.08.2025। कार्य एवं स्थान: मुंबई सेंट्रल (सीएफओ यार्ड): पिट लाइन संख्या 5 और 6 का विस्तार, कवर शेड (60 मीटर) और संबद्ध सुविधाएँ (संयुक्त निविदा)। कार्य की अनुमानित लागत: ₹9,34,30,532.59 ईएमडी: ₹6,17,200.00 जमा करने की तिथि और समय: 19.09.2025 को 15.00 बजे तक खुलने की तिथि और समय: 19.09.2025 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0550

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

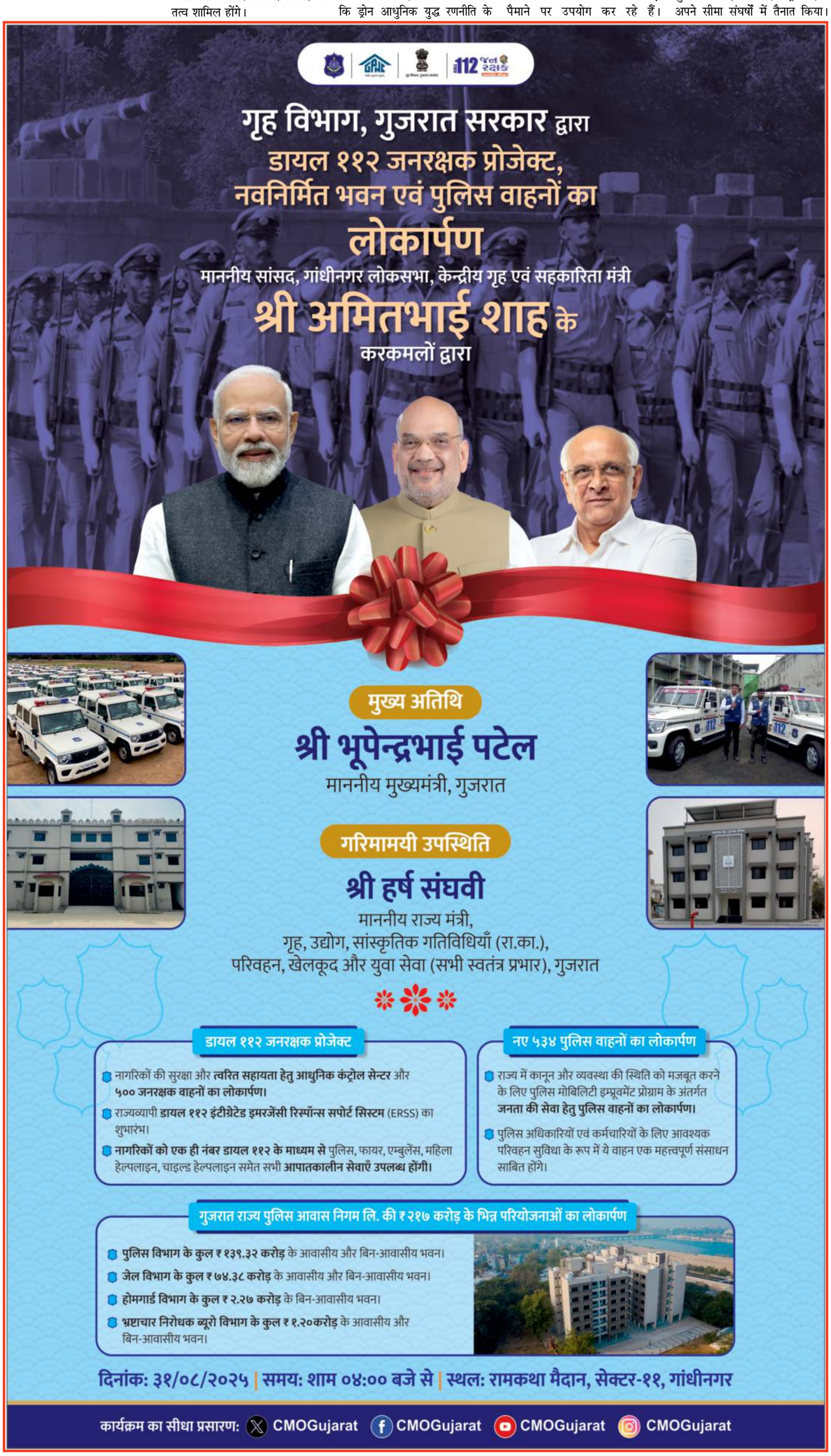

पुतिन के साथ मीटिंग से पहले पीएम मोदी को जेलेंस्की ने किया फोन, पीएम बोले- भारत करेगा सहयोग

(एजेंसी)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की। यह बातचीत शंघाई सहयोग संगठन (रउड) शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुई, जहां पीएम मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात प्रस्तावित है। यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा करना इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य था।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने जेलेंस्की के साथ रूस के साथ जारी संघर्ष, मानवीय पहलुओं और शांति तथा स्थिरता बहाली के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए हर प्रयासों को सहयोग देगा।

जेलेंस्की ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी दी कि उन्होंने मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ वाशिंगटन में हुई अपनी हालिया वातार्ओं के बारे में बताया। उन्होंने इस बातचीत को "उत्पादक और महत्वपूर्ण" बताया, जिसमें "वास्तविक शांति कैसे प्राप्त की जाए" इस पर भागीदारों के बीच साझा दृष्टिकोण पर सहमति बनी।

यह दूसरी बार था जब जेलेंस्की ने मोदी से यूक्रेन की स्थिति और फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद शुरू हुए युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए फोन किया। इससे पहले जेलेंस्की ने 11 अगस्त को मोदी से बात की थी, जबकि पुतिन ने यूक्रेन की स्थिति पर मोदी से तीन दिन पहले संपर्क किया था।

जेलेंस्की की इस कॉल का समय महत्वपूर्ण था क्योंकि अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भारत द्वारा रूसी ऊर्जा खरीद की लगातार आलोचना कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने आरोप लगाया है कि नई दिल्ली तेल खरीद से मुनाफा कमा रहा है और रूस के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है।

भारतीय सरकार के एक बयान के अनुसार, जेलेंस्की ने यूक्रेन से संबंधित हाल के घटनाक्रमों पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। मोदी ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और जल्द से जल्द शांति बहाली के प्रयासों के लिए भारत की "दृढ़ और सुसंगत स्थिति" को दोहराया। मोदी ने इस संबंध में हर संभव सहायता प्रदान करने की भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

जेलेंस्की ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनकी कॉल का उद्देश्य रउड शिखर सम्मेलन से पहले भारत के साथ अपनी स्थिति का समन्वय करना था। उन्होंने जोर दिया कि इस युद्ध का अंत तत्काल युद्धविराम से होना चाहिए और यह स्थिति सभी द्वारा समझी और समर्थित है।

जेलेंस्की ने यह भी कहा कि जब तक उनके शहरों और समुदायों पर लगातार हमले हो रहे हैं, तब तक शांति के बारे में सार्थक बात करना असंभव है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत रउड शिखर सम्मेलन के दौरान आवश्यक प्रयास करेगा और रूस तथा अन्य नेताओं को उचित संकेत देगा।

इजरायल ने यमन के सना में की एयरस्ट्राइक, हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी समेत कई मंत्रियों की मौत

(एजेंसी)।

यमनी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सना में इजरायल के हवाई हमले में हूती के प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी की मृत्यु हो गई है। हूती विद्रोहियों ने शनिवार, 30 अगस्त, 2025 को इस खबर की पुष्टि की।

हूतियों ने एक बयान में बताया कि गुरुवार को सना में हुए इजरायली हमले में अहमद अल-रहावी और कई मंत्री मारे गए। हूतियों ने यह भी कहा कि शनिवार को इजरायली हवाई हमलों में यमन की विद्रोही-नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री की राजधानी सना में मौत हो गई।

24 अगस्त, 2025 को यमन की हुती-नियंत्रित राजधानी सना पर हुए इजरायली हवाई हमले के बाद धुआं उठता देखा गया। इजरायली सेना ने कहा कि उसने "यमन के सना क्षेत्र में हूती आतंकवादी शासन के एक सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया है।" एएफपी के अनुसार, बयान में कहा गया, "हम लड़ाके अहमद गालिब नासिर अल-रहावी... और उनके कई मंत्रिमंडलीय सहयोगियों की शहादत की घोषणा करते हैं, क्योंकि उन्हें कपटी इजरायली आपराधिक दुश्मन ने निशाना बनाया।"

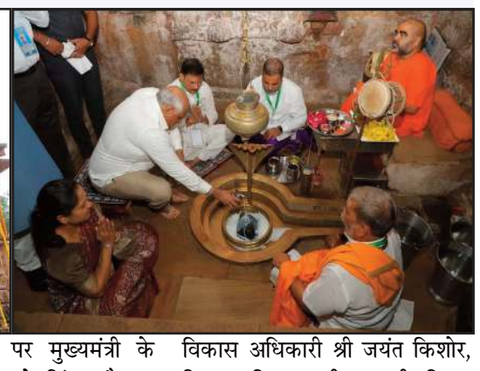

बयान में आगे कहा गया कि "उनके अन्य साथी मध्यम से गंभीर रूप से घायल हुए हैं और गुरुवार दोपहर से उन्हें चिकित्सा देखभाल मिल रही है।" अल-रहावी, जो अगस्त 2024 से हूती-नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत थे, को सरकार द्वारा आयोजित एक नियमित कार्यशाला के दौरान सरकार के अन्य सदस्यों के साथ निशाना बनाया गया था।

गाजा में चल रहे युद्ध के दौरान इजरायली हमलों में मारे जाने वाले वह सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। इजरायली सेना ने गुरुवार को हुती-नियंत्रित राजधानी सना पर हमले शुरू किए थे। यह ताजा हमला ईरान-समर्थित हूतियों द्वारा इजरायल की ओर मिसाइल और ड्रोन दागने और 22 महीने से अधिक समय तक लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाने के बाद यमन में हूती ठिकानों पर जारी इजरायली हमलों का एक हिस्सा है। हूतियों ने कहा है कि वे गाजा युद्ध के बीच फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ये हमले कर रहे हैं।

भगवा शॉल के साथ दिखे पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर, सोशल मीडिया पर लोगों ने लिए मजे, क्या है मामला?

(एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीषण बाढ़ ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। ऐसे समय में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने दरबार साहिब करतारपुर का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया।

उन्होंने स्थानीय सिख समुदाय से मुलाकात की और राहत कार्यों की स्थिति को देखा। इस दौरान उन्हें भगवा शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का दरबार साहिब करतारपुर दौरा सोशल मीडिया पर छा गया है। इस दौरान स्थानीय सिख समुदाय के लोगों ने उन्हें भगवा शॉल पहनाकर सम्मानित किया, और इसका फोटो वायरल हो गया। तस्वीर में मुनीर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, जिससे यह दृश्य काफी चर्चा में आया।

सोशल मीडिया पर इस फोटो को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई लोग इसे सम्मान और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक मान रहे हैं, वहीं कुछ ने राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी इस घटना पर टिप्पणियां की हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा

आसिम मुनीर ने पंजाब प्रांत के सियालकोट, शकरगढ़, नरोवाल और करतारपुर सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। सेना प्रमुख ने राहत और बचाव कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से हालात की जानकारी ली। उनका कहना था कि भीषण बाढ़ ने कई गांवों और धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया है और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर पुनर्स्थापित किया जाएगा।

सिख समुदाय से मुलाकात

मुनीर ने स्थानीय सिख समुदाय से बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि उनके पवित्र स्थलों की सुरक्षा और पुनर्निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान कुछ सिख समुदाय के लोग मुनीर को भगवा पटका पहनाकर सम्मानित करते नजर आए। यह दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और चर्चा का विषय बन गया।

पंजाब में बाढ़ से हालात खराब

पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में पिछले एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। हाल के 24 घंटों में कम से कम 22 लोगों की मौत हुई और लगभग 1,700 गांव जलमग्न हो गए। आसिम मुनीर को मौजूदा स्थिति और आगामी बारिश के मद्देनजर की गई तैयारियों की जानकारी दी गई। उन्होंने प्रभावित समुदाय को भरोसा दिलाया कि धार्मिक स्थलों और घरों के पुनर्निर्माण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

चंद्रमा के साउथ पोल पर पानी खोजने निकलेंगे भारत और जापान, इसरो के साथ हो गई बड़ी डील

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टोक्यो यात्रा के दौरान भारत और जापान ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों ने चंद्रमा के साउथ पोल पर जॉइंट लूनर एक्सप्लोरेशन मिशन चंद्रयान-5 (LUPEX) को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस समझौते को भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं और वैश्विक साझेदारियों का नया मुकाम माना जा रहा है।

भारत की इसरो (ISRO) और जापान की एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी जाक्सा (JAXA) इस संयुक्त चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन (LUPEX) का संचालन मिलकर करेंगी। इस समझौते पर जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और जाक्सा की उपाध्यक्ष मत्सुरा मयूमी के बीच हस्ताक्षर हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह मिशन 'मानवता की प्रगति और पृथ्वी की सीमाओं से परे भारत-जापान की सक्रिय भागीदारी' का प्रतीक होगा।

चंद्रयान-3 से चंद्रयान-5 तक

मोदी ने 2023 में चंद्रयान-3 द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर की गई ऐतिहासिक लैंडिंग को याद किया। उन्होंने कहा कि अगला कदम चंद्र सतह के नीचे एक्सप्लोरेशन को तेज करना है, जिसमें जल-बर्फ (६३ी१ट्टी) जैसे संसाधनों की खोज अहम होगी।

इसरो-जाक्सा सहयोग का महत्व

योमिउरी शिंबुन को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि इसरो और जाक्सा का सहयोग न केवल G2G साझेदारी को मजबूत कर रहा है, बल्कि यह उद्योगों और स्टार्टअप्स के बीच नवाचार का साझा पारिस्थितिकी तंत्र भी बना रहा है- जहां प्रयोगशाला से लॉन्चपैड और शोध से लेकर वास्तविक अनुप्रयोग तक तकनीक बह रही है।

चंद्रयान-5 मिशन की खास बातें

यह मिशन मार्च में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वीकृत किया गया था।

जाक्सा इसे अपने H3-24L लॉन्चर से प्रक्षेपित करेगा।

इसरो का निर्मित लैंडर जापानी रोवर को चंद्रमा पर ले जाएगा।

अंतरिक्ष यान पर कुल 7 वैज्ञानिक उपकरण होंगे-इनमें से कुछ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और नासा द्वारा प्रदान किए गए हैं।

मिशन का मकसद है:

चंद्रमा पर जल की उपस्थिति का मानचित्रण

जल की मात्रा, क्वालिटी और स्ट्रक्चर का विश्लेषण

चंद्र मिट्टी (रेगोलिथ) की ड्रिलिंग और सैंपलिंग

स्पेक्ट्रोमीटर और सेंसर से इन-सीटू वैज्ञानिक अवलोकन

तकनीकी बैठकें और तैयारियां

13-14 मई को इसरो मुख्यालय, बेंगलुरु में दोनों एजेंसियों ने मिशन पर तीसरी तकनीकी बैठक की। इसमें इसरो, जाक्सा और मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज के सीनियर अधिकारी और एक्सपर्ट शामिल हुए। चचार्ओं का फोकस मिशन की तकनीकी चुनौतियों, कार्यान्वयन योजना और संभावित लैंडिंग स्थलों पर रहा। इसरो के वैज्ञानिक सचिव एम. गणेश पिल्लई ने सहयोग को सराहते हुए इसे वैज्ञानिक और तकनीकी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में अहम बताया।

इस डील के मायने

यह समझौता सिर्फ अंतरिक्ष सहयोग का करार नहीं, बल्कि भारत-जापान के बीच रणनीतिक साझेदारी की नई ऊंचाई है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जल की खोज वैश्विक अंतरिक्ष दौड़ का सबसे अहम लक्ष्य है, और इस मिशन से भारत न केवल वैज्ञानिक खोज में, बल्कि स्पेस जियोपॉलिटिक्स में भी अपनी स्थिति मजबूत करेगा। जापान की तकनीकी क्षमता और भारत के मिशन अनुभव का यह मेल दोनों देशों को भविष्य की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था और संसाधन खोज की दौड़ में अग्रणी बना सकता है।

76वाँ वन महोत्सव समारोह खेडा जिले के गळतेश्वर में

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गळतेश्वर महादेव के दर्शन कर जन सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की

मुख्यमंत्री पौराणिक मंदिर के स्थापत्य को निहार कर गालव ऋषि की महिमा से परिचित हुए

गांधीनगर, 30 अगस्त :76वें वन महोत्सव समारोह अंतर्गत खेडा जिले के गळतेश्वर में निर्मित हुए राज्य के 24वें सांस्कृतिक वन के लोकार्पण के लिए शनिवार को खेडा जिले में पधारे मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सरनाल गाँव स्थित गळतेश्वर मंदिर में महादेव की पूजा-अर्चना कर राज्य की जन सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

ठासरा तहसील के सरनाल गाँव के पास महिसागर तथा गळती नदी के संगम स्थान पर स्थित पौराणिक गळतेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर की परिक्रमा की। उन्होंने इस पौराणिक मंदिर के स्थापत्य को निहारा और वे गालव ऋषि की महिमा से परिचित हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ सांसद श्री देवूसिंह चौहाण, पंचमहाल के सांसद श्री राजपालसिंह जादव, ठासरा के विधायक श्री योगेन्द्रसिंह परमार, जिला कलेक्टर श्री अमित प्रकाश यादव, जिला विकास अधिकारी श्री जयंत किशोर, जिला पुलिस अधीक्षक श्री विजय पटेल, वन संरक्षक श्री मितलबेन सावंत व श्री आनंद कुमार तथा अग्रणी श्री नयनाबेन पटेल सहभागी हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चाइना पहुंचे, हुआ भव्य स्वागत, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में भाग लेने और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करने के लिए शनिवार को चीन के तियानजिन शहर पहुंचे। यह सात वर्षों में उनका पहला चीन दौरा है। जापान की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद पीएम मोदी चीन पहुंचे हैं, जापान में उन्होंने परिवहन, अंतरिक्ष अन्वेषण और व्यापार के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा दिया था।

पीएम मोदी 1 सितंबर तक चीन में रहेंगे। इस दौरान उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक अहम मुलाकात होगी। उम्मीद है कि दोनों नेता भारत-चीन आर्थिक संबंधों की समीक्षा करेंगे और संबंधों को सामान्य बनाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। इस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि बुधवार से भारत पर अमेरिकी शुल्क में 50% की वृद्धि प्रभावी हो गई है।

प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी की यह सात साल बाद पहली चीन यात्रा है। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब यूक्रेन युद्ध के बीच भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को लेकर अमेरिका ने आपत्ति जताई है। इस मुद्दे पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ भी लगा दिया था, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

मोदी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर चाइना पहुंचे हैं। यह निमंत्रण भारत-चीन संबंधों में आई गर्माहट के बीच आया है। इससे पहले 2020 में सीमा पर हुए संघर्षों से दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे।

2024 में पीएम मोदी की कजान में जिनपिंग से हुई थी मुलाकात

अगस्त 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता शी जिनपिंग एक साथ नजर आए थे। प्रधानमंत्री की इस चीन यात्रा से पहले एक बड़ा संदेश भी आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'भारत तैयार है...'।

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक 31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन में होनी है। भारत 2017 से रउड का सदस्य है। मोदी रविवार को वेलकम डिनर में शामिल होंगे और मुख्य शिखर सम्मेलन सोमवार, 1 सितंबर को आयोजित होगा। रउड शिखर सम्मेलन में, मोदी से उम्मीद है कि वह पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुए हालिया संघर्ष के संदर्भ में सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराएंगे।

जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे

शिखर सम्मेलन के इतर, प्रधानमंत्री मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। भारतीय पीएम रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करने वाले हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री की जापान और चीन यात्रा पर जानकारी देते हुए कहा, "कई द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। हम अभी उन बैठकों को अंतिम रूप दे रहे हैं और आपको कार्यवाही के बारे में अपडेट करते रहेंगे।"

अचानक कहां गायब हुए डोनाल्ड ट्रंप ? पिछले 24 घंटे से नहीं दिखे, सोशल मीडिया पर लोग व्हाइट हाउस से पूछ रहे सवाल

(एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सार्वजनिक मंच से अचानक गायब होने को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कई पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप पिछले 24 घंटे से अधिक समय से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। उनके 30 और 31 अगस्त के शेड्यूल में भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम का उल्लेख नहीं है।

ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि हाल ही में ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे, जिन्हें लेकर पहले भी सवाल उठे थे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

'आखिर चल क्या रहा है', सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं लोग

एक्स पर कई यूजर्स ने सवाल उठाए कि आखिर ट्रंप अचानक कहां गायब हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ट्रंप 24 घंटे से ज्यादा समय से दिखाई नहीं दिए, जबकि अगले दो दिनों तक उनका कोई सार्वजनिक कार्यक्रम भी तय नहीं है। आखिर चल क्या रहा है?' हालांकि, इस दौरान उनके ट्रुथ सोशल अकाउंट से लगातार पोस्ट आते रहे, जिससे संकेत मिलता है कि वे ऑनलाइन सक्रिय हैं।

लेबर डे वीकेंड को लेकर सवाल

कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ट्रंप की गैरमौजूदगी लेबर डे वीकेंड से जुड़ी हो सकती है। 1 सितंबर को अमेरिका में मजदूर दिवस मनाया जाना है। खबरों के मुताबिक, ट्रंप अगस्त के अंतिम दो हफ्तों के लिए अपने न्यू जर्सी स्थित रिसॉर्ट में रहने वाले थे, लेकिन उन्होंने आखिरी वक्त में व्हाइट हाउस में ही ठहरने का फैसला लिया।

क्या बीमार हैं ट्रंप?

ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखने के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर और भी अटकलें लगाई जाने लगीं। इस पर उनके निजी डॉक्टर सीन बारबेला ने सफाई दी कि ये निशान बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन सेवन के कारण होने वाली हल्की ऊतक की जलन से पैदा हुए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत नहीं है।

व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि, 'ट्रंप जनता के राष्ट्रपति हैं और वे किसी भी अन्य अमेरिकी राष्ट्रपति की तुलना में ज्यादा लोगों से रोज मिलते हैं। वहीं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ट्रंप पूरी तरह स्वस्थ हैं और किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर कोई अप्रत्याशित परिस्थिति आती है, तो वे जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।'

'पवन सिंह ने गंदी हरकत की', अंजलि राघव का चौंकाने वाला बयान, एक्टर ने स्टेज पर किया ऐसा कांड

(एजेंसी)।

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावरस्टार पवन सिंह एक बार फिर से विवादों में घिर गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वह अपनी को-स्टार अंजलि राघव की कमर पर हाथ रखते नजर आ रहे हैं। इस घटना के चलते पवन सिंह इस समय लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं।

सरेआम पवन सिंह ने को-एक्ट्रेस के साथ की ऐसी हरकत

दरअसल ये घटना पवन सिंह के गाने 'सैंया सेवा करे' के प्रमोशनल इवेंट की बताई जा रही है। वीडियो सामने आने के बाद से पवन सिंह को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। वहीं अब वीडियो में नजर आ रहीं हरियाणवी डांसर और एक्ट्रेस अंजलि राघव ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी हैं और शॉकिंग बयान दिया है।

अंजलि राघव ने बयां किया अपना दर्द

-अंजलि राघव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो वीडियो शेयर किए हैं जिनमें उन्होंने साफ कहा है कि वो पिछले दो दिनों से काफी परेशान हैं। उन्होंने वीडियो में कहा है- लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मैंने उस वक्त कुछ क्यों नहीं कहा, थप्पड़ क्यों नहीं मारा? लेकिन आप सोचिए, पब्लिक में मुझे इस तरह कोई टच करेगा तो क्या मुझे खुशी होगी?

-अंजलि राघव ने आगे कहा है- उस समय मैंने हंसकर चीजों को नजरअंदाज किया ताकि माहौल बिगड़े नहीं। शूटिंग के दौरान सबकुछ नॉर्मल रहा, लेकिन लखनऊ इवेंट में अचानक ये घटना हो गई। पहले मुझे लगा कि शायद साड़ी या ब्लाउज का टैग लगा रह गया है, इसलिए मैंने हंसकर टाल दिया, मगर बाद में जब टीम से बात की तो पता चला कि ऐसा कुछ भी नहीं था।

'पवन सिंह की टीम ने मुझे धमकी दी है'

-अंजलि राघव ने कहा- उस वक्त पूरा इवेंट पवन सिंह के फैनबेस के बीच था। लोग उन्हें भगवान की तरह पूज रहे थे। मुझे समझ नहीं आया कि अगर मैं कुछ कहती तो क्या कोई मेरा सपोर्ट करता? बाद में जब मैंने कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की, तो उनकी टीम से भी किसी ने जवाब नहीं दिया।

-अंजलि राघव ने ये भी खुलासा किया कि उन्हें चेतावनी दी गई है कि पवन सिंह की पीआर टीम बहुत स्ट्रॉन्ग है और अगर उन्होंने एक्टर के खिलाफ सबके सामने कुछ कहा या पोस्ट किया, तो कुछ सही नहीं होगा। खराब माहौल बना दिया जाएगा।

'अब भोजपुरी इंडस्ट्री में काम नहीं करूंगी'

वीडियो के अंत में अंजिल राघव ने कहा- मैं किसी भी तरह की जबरदस्ती या बिना परमिशन टच को बिल्कुल सपोर्ट नहीं करती। यही वजह है कि मैंने फैसला किया है कि मैं अब भोजपुरी इंडस्ट्री में काम नहीं करूंगी। मुझे हरियाणा में ही अपना करियर आगे बढ़ाना है।

कौन हैं अंजलि राघव?

अंजलि राघव हरियाणवी इंडस्ट्री की जानी-मानी डांसर, एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वह कई सुपरहिट गानों जैसे 'चंद्रवाल देखूंगी' और 'गिरे ये आंसू' से फेमस हुई थीं। हरियाणा में उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है।